भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *124

उत्तर देने की तारीख 13.02.2025

कर्नाटक में नये एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की स्थापना

***124.** श्री गोविंद मकथप्पा कारजोल:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे में नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की स्थापना करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्नाटक में ऐसे कितने विद्यालय कार्यशील हैं और उक्त राज्य में जिलावार कुल कितने छात्रों का नामांकन हुआ है;

(ग) कर्नाटक में ऐसे ब्लॉकों की सूची क्या है जहां वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जनजाति की आबादी पचास प्रतिशत से अधिक है;

(घ) कर्नाटक में उक्त विद्यालय के निर्माण और संचालन के लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा इन विद्यालयों से पढ़ाई पूरी करने वाले जनजातीय छात्रों की शैक्षिक स्थिति से संबंधित परिणामों में सुधार करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य मंत्री
(श्री जुएल ओराम)

(क) से (ड.): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"कर्नाटक में नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की स्थापना" के संबंध में श्री गोविंद मकथप्पा कारजोल द्वारा दिनांक 13/02/2025 के लिए उठाए गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *124 के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) 2018-19 के केंद्रीय बजट में भारत सरकार ने घोषणा की है कि जनजातीय बच्चों को उनके अपने परिवेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए, 50% से अधिक अनुसूचित जनजाति आबादी और कम से कम 20,000 जनजातीय व्यक्तियों (जनगणना 2011 के अनुसार) वाले प्रत्येक ब्लॉक में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) स्थापित किए जाएंगे। इस योजना को 17.12.2018 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।

2011 की जनगणना के अनुसार, चित्रदुर्ग जिले का कोई भी ब्लॉक ईएमआरएस स्थापना के लिए दोहरे मानदंडों को पूरा नहीं करता है। तथापि, हिरियूर ब्लॉक में एक ईएमआरएस को 2010-11 में अनुच्छेद 275(1) के तहत जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था और 2016-17 से कार्यशील है।

(ख) कर्नाटक राज्य में 12 ईएमआरएस कार्यशील हैं। ईएमआरएस की जिला-वार स्थिति निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	जिले का नाम	क्रियाशील ईएमआरएस की संख्या	कुल नामांकित छात्र
1	बल्लारी	1	366
2	बेलगावी	1	447
3	चामराजनगर	1	390
4	चिक्कमगलुरु	1	347
5	चित्रदुर्ग	1	382
6	कलबुर्गी	1	331
7	कोडागू	1	340
8	कोलार	1	410
9	मैसूर	1	383
10	रायचूर	1	404
11	तुमकुरु	1	384
12	यादगीर	1	340

(ग) 2011 की जनगणना के अनुसार, किसी भी सामुदायिक विकास (सीडी) ब्लॉक में अनुसूचित जनजाति (अजजा) की आबादी पचास प्रतिशत से अधिक नहीं है।

(घ) एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की शुरुआत वर्ष 1997-98 में दूरदराज के क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति (अजजा) के छात्रों (कक्षा 6वीं से 12वीं) को गुणवत्तापूर्ण उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ (सीनियर) माध्यमिक स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी ताकि उन्हें शिक्षा के सर्वोत्तम अवसरों तक पहुँच मिल सके और उन्हें सामान्य आबादी के बराबर लाया जा सके। 2020-21 से पहले, ईएमआरएस की योजना भारत के संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान के अतंर्गत एक घटक थी और इसलिए ईएमआरएस की योजना के लिए कोई अलग बजट आवंटन नहीं किया गया था। कर्नाटक राज्य में सभी ईएमआरएस को संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत मंजूरी दी गई है।

मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस) एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की योजना का प्रबंधन और कार्यान्वयन करता है। मंत्रालय एनईएसटीएस को धनराशि जारी करता है और एनईएसटीएस राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/निर्माण एजेंसियों/राज्य सोसायटियों को ईएमआरएस के निर्माण और विद्यालयों के संचालन के लिए आवर्ती लागत हेतु उनकी आवश्यकताओं के अनुसार धनराशि जारी करता है।

ईएमआरएस के संचालन के लिए कर्नाटक राज्य सोसायटी को जारी की गई धनराशि का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	**राशि (लाख रूपये में)**
2020-21	2,495.83
2021-22	3,672.86
2022-23	1,529.92
2023-24	1,450.00
2024-25 (31.01.2025 तक)	3,050.00
कुल	12,198.61

(ङ) एनईएसटीएस ने शैक्षणिक परिणामों को बेहतर बनाने और जनजातीय छात्रों को भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए विभिन्न पहलों को क्रियान्वित किया है। ये कार्यक्रम उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यावसायिक शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी और कैरियर मार्गदर्शन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है:

1. **ईएमआरएस के लिए सीबीएसई संबद्धता:** 2018 और 2024 के बीच, कुल 361 ईएमआरएस ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता हासिल की। यह संबद्धता सभी स्कूलों में एक समान पाठ्यक्रम कार्यान्वयन, मानकीकृत शैक्षिक प्रथाएं और बेहतर शैक्षणिक सहायता सुनिश्चित करती है। सीबीएसई मानकों के साथ संरेखित करके, ईएमआरएस छात्रों को बेहतर सीखने के परिणाम, राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संसाधनों तक बेहतर पहुँच और उच्च शिक्षा के लिए अधिक अवसर प्रदान करते हैं।

2. **अमेज़ॅन फ्यूचर इंजीनियरिंग प्रोग्राम:** लर्निंग लिंक्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से, यह कार्यक्रम छात्रों को ब्लॉक-आधारित कोडिंग, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग और ब्लॉक प्रोग्रामिंग जैसी उभरती हुई तकनीकों से परिचित कराता है, जिससे भविष्य के लिए तैयार कोडिंग कौशल को बढ़ावा मिलता है। पाठ्यक्रम को तकनीक और नवाचार में रुचि को प्रेरित करने के लिए तैयार किया गया है, जो व्यावहारिक सीख के अनुभव प्रदान करता है। कार्यशालाओं, इंटरैक्टिव सत्रों और प्रोजेक्ट-आधारित सीखने के माध्यम से, छात्र भविष्य के तकनीकी करियर के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित करते हैं।

3. **व्यावसायिक शिक्षा:** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के साथ सहयोग करते हुए, एनईएसटीएस व्यावसायिक शिक्षा को ईएमआरएस पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है। ये पाठ्यक्रम कृषि, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिसका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक कौशल और उद्योग-विशिष्ट ज्ञान से लैस करना है। शैक्षणिक अधिगम (शिक्षण) को व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ जोड़कर, छात्र रोजगार कौशल प्राप्त करते हैं जो विशेष रूप से उच्च नौकरी की संभावना वाले क्षेत्रों में विभिन्न कैरियर मार्गों के द्वार खोलते हैं।

4. **संकल्प परियोजना के तहत कौशल प्रयोगशालाएं:** कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सहयोग से, एनईएसटीएस ने 200 ईएमआरएस परिसरों में 400 कौशल प्रयोगशालाओं की स्थापना शुरू की है। ये प्रयोगशालाएँ उन्नत उपकरणों और प्रौद्योगिकी से सुसज्जित हैं, जो रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, बढ़ईगीरी और डिजिटल निर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। व्यावहारिक शिक्षण वातावरण छात्रों में रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमशीलता की मानसिकता को प्रोत्साहित करता है।

5. **आईआईटी/एनईईटी के लिए डिजिटल ट्यूशन:** प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण कोचिंग तक पहुंचने में जनजातीय छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानते हुए, एनईएसटीएस ने डिजिटल ट्यूशन प्रदान करने के लिए पेस (पीएसीई) के साथ साझेदारी की। यह पहल छात्रों को आईआईटी-जेईई और नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए तैयार करने पर केंद्रित है, जो भारत में प्रमुख इंजीनियरिंग और चिकित्सा संस्थानों के लिए प्रवेश द्वार हैं। विशेषज्ञ ट्यूटर्स, अनुकूलित शिक्षण मॉड्यूल और नियमित मूल्यांकन के

साथ, छात्रों को इन कठिन परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक सहायता मिलती है।

6. **तलाश:** यूनिसेफ के सहयोग से और एनसीईआरटी की "तमन्ना" पहल से प्रेरित होकर, एनईएसटीएस ने तलाश को क्रियान्वित किया है, जो एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे वेब पोर्टल के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। तलाश के माध्यम से, छात्र एक योग्यता परीक्षा (एप्टीट्यूड) देते हैं जो व्यापक कैरियर कार्ड बनाता है, कैरियर पथों की रूपरेखा तैयार करता है और उनकी आकांक्षाओं के लिए सबसे उपयुक्त संस्थानों का सुझाव देता है। पायलट प्रोजेक्ट का चार स्कूलों में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है और यह रोलआउट के लिए तैयार है। साइकोमेट्रिक टेस्टिंग और करियर काउंसलिंग के अलावा, पोर्टल में दो अन्य प्रमुख खंड हैं: जीवन कौशल और आत्म-सम्मान, साथ ही ईएमआरएस शिक्षकों के लिए ई-लर्निंग सामग्री, जो छात्रों को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन करने की उनकी क्षमता को बढ़ाती है। इन खंडों की कार्यक्षमता (कार्यात्मकता) इस प्रकार बताई गई है:

   क. कैरियर परामर्श: "तमन्ना" से प्रेरित डिजिटल मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, सात प्रमुख क्षेत्रों : भाषा योग्यता (एलए), काल्पनिक (अमूर्त) तर्क (एआर), मौखिक तर्क (वीआर), यांत्रिक तर्क (एमआर), संख्यात्मक योग्यता (एनए), स्थानिक योग्यता (एसए) और अवधारणात्मक योग्यता (पीए) में छात्रों की योग्यता का मूल्यांकन करता है। इन परिणामों के आधार पर, एक रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाता है, जो छात्रों को उपयुक्त कैरियर पथ की ओर मार्गदर्शन करने वाले कैरियर कार्ड प्रदान करता है।

   ख. जीवन कौशल: यह खंड छात्रों को महत्वपूर्ण क्षमताओं, दृष्टिकोणों और सामाजिक-भावनात्मक सक्षमताओं से लैस करता है, जिससे वे सुविज्ञ निर्णय लेने, प्रभावी ढंग से सीखने और स्वस्थ, रचनात्मक जीवन जीने में सक्षम होते हैं। जीवन कौशल छात्रों को अपने समुदायों में परिवर्तन एजेंट बनने, मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने और साक्षरता, संख्यात्मकता और डिजिटल साक्षरता जैसी आवश्यक सक्षमताओं का समर्थन करने के लिए सशक्त बनाता है।

   ग. आत्म-सम्मान: यह मॉड्यूल छात्रों के आत्मविश्वास, आत्म-मूल्य और सकारात्मक आत्म-छवि के निर्माण पर केंद्रित है। यह भावनाओं को प्रबंधित करने, लचीलापन विकसित करने और विकास की मानसिकता विकसित करने के लिए उपकरण प्रदान करता है। ईएमआरएस शिक्षकों को छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण को और विकसित करने के लिए स्व-शिक्षण सामग्री प्रदान की जाएगी।

*****